SATYARTHI MOVEMENT
DO YOUR BIT FOR CHILDREN!
2014
2015
2016
2017
2018
2019
2020
MILESTONE
KSCFIndia
KSCFIndia
Kailash Satyarthi Children's Foundation India
KSCFIndia
www.satyarthi.org.in

1980

Founded by Mr. Kailash Satyarthi as the first movement against trafficking, bonded labor and child labor in India.

श्री कैलाश सत्यार्थी द्वारा संस्थापित भारत में दुर्व्यापार तथा बंधुआ मजदूरी और बाल श्रम के खिलाफ पहला आंदोलन।

Mr. Satyarthi decided to launch a **first of its kind magazine called 'Sangharsh Jari Rahega'**, which was solely dedicated to the issue of children, women and the plight of bonded laborers.

श्री सत्यार्थी ने अपनी तरह की **पहली पत्रिका 'संघर्ष जारी रहेगा'** नाम से शुरू करने का फैसला किया, जो पूरी तरह से बच्चों, महिलाओं और बंधुआ मजदूरों की दुर्दशा के मुद्दे पर केंद्रित थी।

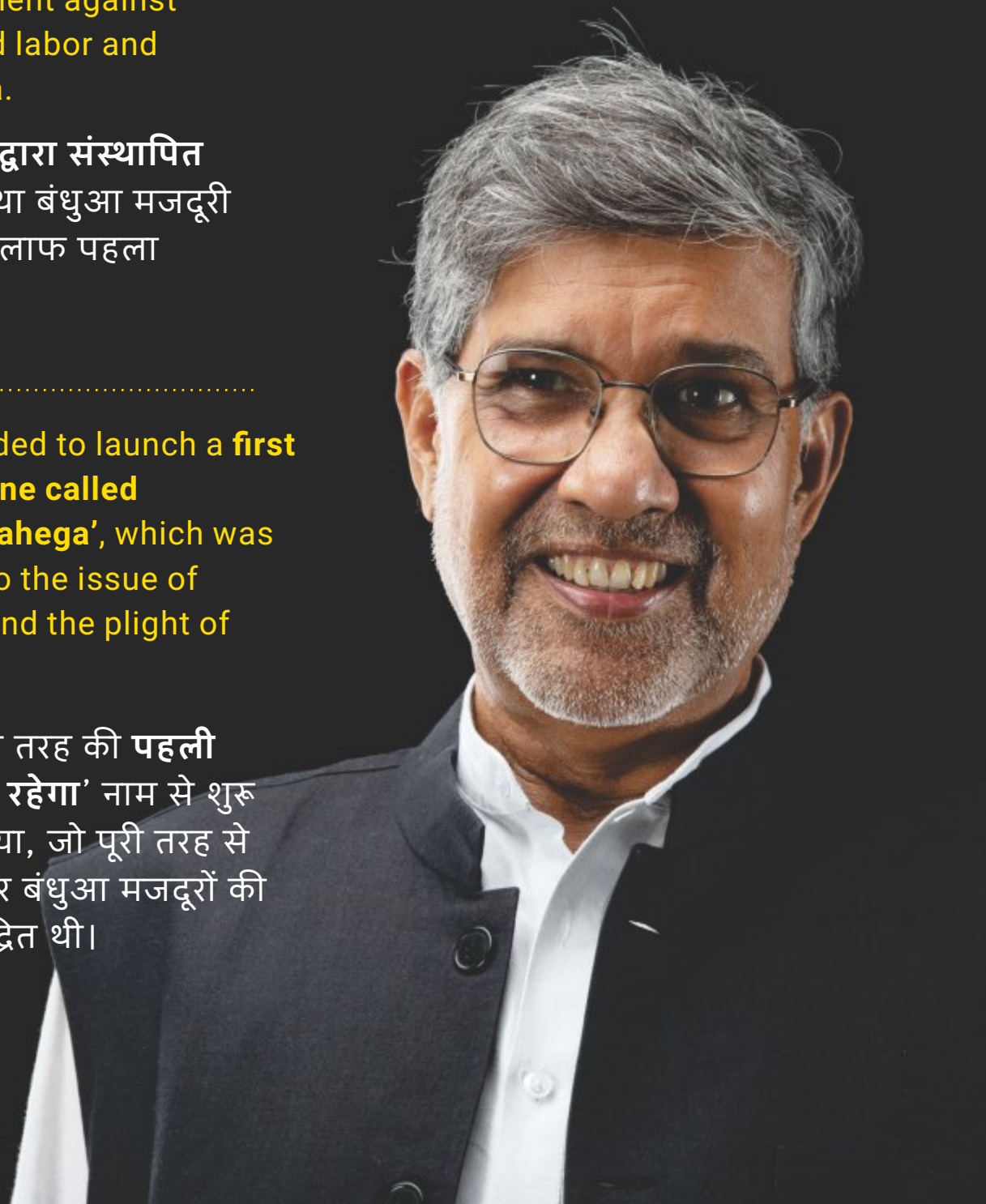

The first edition of the magazine **'Sangharsh Jari Rahega'** was launched in January 1981.

पत्रिका **'संघर्ष जारी रहेगा'** के पहले संस्करण का शुभारंभ जनवरी 1981 में किया गया।

The first ever rescue of **Sabo, a 15-year-old girl who was to be sold into prostitution** (along with 34 other bonded laborers working in a brick kiln in Sirhind, Punjab).

पहली बार **15 साल की लड़की साबो को बचाया गया, जिसे वेश्यावृत्ति के लिए बेचा जाना था** (पंजाब के सरहिंद में एक ईंट भट्ठे में काम करने वाले 34 अन्य बंधुआ मजदूरों के साथ)।

Formation of **Worker's Union for laborers working in stone quarries and brick kiln**.

पत्थर खदान और ईंट भट्ठा में काम करने वाले मजदूरों के लिए श्रमिक संघ का गठन।

The Rescue operations became wide and conducted in 10 states in different sectors of:

1. stone quarries | 2. brick kilns | 3. carpet industry | 4. glass and bangles factories

बचाव अभियान व्यापक हुआ और 10 राज्यों में विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित किया गया:

1. पत्थर की खदान | 2. ईंट भट्टे | 3. कालीन उद्योग | 4. कांच और चूड़ियों के कारखाने

Mr. Satyarthi organized **National level Chaupal on Bonded Labor at Daltonganj**, Palamu (then Bihar).

श्री सत्यार्थी ने डाल्टनगंज, पलामू (निवर्तमान बिहार) में **बंधुआ मजदूरी पर राष्ट्रीय स्तर की चौपाल** का आयोजन किया।

Mr. Satyarthi filed a public interest litigation in Supreme Court, which resulted in release of thousands of bonded laborers.

श्री कैलाश सत्यार्थी ने सर्वोच्च न्यायालय में **एक जनहित याचिका दायर की**, जिसके परिणामस्वरूप हजारों बंधुआ मजदूरों को रिहा किया गया।

Mr. Satyarthi rescued 42 men, women, and children from a brick kiln. Amongst them, Gulabo a 14-year-old died a painful death from deteriorated tuberculosis within days of her rescue. She died in the lap of Mr. Kailash Satyarthi. Gulabo's death intensified Mr. Satyarthi's crusade against child labour and slavery.

श्री कैलाश सत्यार्थी के नेतृत्व में **42 पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को एक ईंट के भट्टे से बचाया गया**। उनही में 14 वर्षीय गुलाबो बाल मजदूरी करते हुए तपेदिक की शिकार हो गयी थी| बचाव के बाद, इलाज कराने के बावजूद भी उसकी तबियत बिगड़ती चली गई और एक दिन श्री कैलाश सत्यार्थी की गोद में उसने अपने प्राण त्याग दिये| गुलाबो की दर्दनाक मृत्यु ने श्री सत्यार्थी के बाल मजदूरी और दासता के खिलाफ धर्मयुद्ध को और तेज कर दिया|

Mr. Kailash Satyarthi selflessly without caring for his own life, saved the lives of Sikhs during the communal violence.

श्री कैलाश सत्यार्थी ने अपने जीवन की परवाह किए बिना **निस्वार्थ भाव से सांप्रदायिक हिंसा के दौरान सिखों की जान बचाई**।

Advocate Mr. H.S. Phoolka met Mr. Kailash Satyarthi during the communal violence and later went on to become one of the strong pillars of the Movement.

अधिवक्ता श्री एच.एस. फूलका सांप्रदायिक हिंसा के दौरान श्री कैलाश सत्यार्थी से मिले और बाद में आंदोलन के मजबूत स्तंभों में से एक बन गए।

1985

On 17th March 1985, **BBA Activist Dhoom Das martyred** in a stone quarry in Haryana.

17 मार्च 1985 को **बीबीए कार्यकर्ता धूम दास** हरियाणा में एक पत्थर की खदान में शहीद हो गए।

On 04th December 1985, **Mr. Satyarthi rescued 13 children from a Carpet Industry in Mirzapur Uttar Pradesh**. The children were issued a release certificate and received Rs 6000/- each as compensation by the Government.

Recently on 23 August 2019, four of the rescued children (now grown-up men) came to meet Mr. Satyarthi after 34 years. It was an emotional moment for the entire Satyarthi Movement.

04 दिसम्बर, 1985 को **श्री सत्यार्थी ने मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश के एक कालीन उद्योग से 13 बच्चों को मुक्त कराया**। प्रत्येक बच्चे को मुक्ति प्रमाणपत्र और 6000/- रुपए मुआवजा, सरकार से दिलाया गया।

23 अगस्त, 2019 को इन 13 बच्चों में से 4 बच्चे (जो अब दादा और नाना बन चुके है) श्री सत्यार्थी जी से मिलने दिल्ली आए l 34 साल बाद ऐसा मिलन भाव विभोर करने वाला था।

Efforts by Bachpan Bachao Andolan led to enactment of the **Child Labor (Prohibition and Regulation) Act, 1986** by the Parliament of India.

बचपन बचाओ आंदोलन के प्रयासों से भारत की संसद द्वारा **बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986** को लागू किया गया।

Mr. Kailash Satyarthi and three activists brutally attacked in Ramganj Mandi, Rajashthan while protesting against the issue of mass sexual exploitation of enslaved tribal girls and women.

श्री कैलाश सत्यार्थी और तीन कार्यकर्ताओं पर रामगंजमंडी, राजस्थान में बेरहमी से हमला किया गया, वे गुलाम आदिवासी लड़कियों और महिलाओं के सामूहिक यौन शोषण के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे|

Bachpan Bachao Andolan expanded reach to South Asian countries (Nepal, Bangladesh, and Pakistan) through networking and awareness building on the issue of child labor.

बाल श्रम के मुद्दे पर, नेटवर्किंग और जागरूकता निर्माण के माध्यम से बचपन बचाओ आंदोलन का दक्षिण एशियाई देशों (नेपाल, बांग्लादेश और पाकिस्तान) तक विस्तार हुआ।

Hundreds of children rescued from the slate pencil industry in Mandsaur, Madhya Pradesh.

मंदसौर, मध्य प्रदेश में **स्लेट पेंसिल उद्योग से सैकड़ों बच्चों को मुक्त कराया** गया।

Nearly **2000 bonded families rescued** from stone quarries under the directions of the Supreme Court.

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत **लगभग 2000 बंधुआ परिवारों को पत्थर की खदानों से छुड़ाया गया**।

Mr. Kailash Satyarthi led **a historic march at Nathdwara temple to break the age-old traditions of Dalits** who were not allowed entry into the temple premises.

श्री कैलाश सत्यार्थी के नेतृत्व में, **नाथद्वारा मंदिर में, दलितों की सदियों पुरानी परंपराओं को तोड़ने के लिए एक ऐतिहासिक मार्च** की गयी| इन दलितों को मंदिर परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं थी। विरोध प्रदर्शन के दौरान श्री कैलाश सत्यार्थी और पांच कार्यकर्ताओं पर बेरहमी से हमला किया गया|

BBA activist **Adarsh Kishore martyred** in a stone quarry in Haryana.

बीबीए कार्यकर्ता **आदर्श किशोर हरियाणा में एक पत्थर की खदान में शहीद** हो गए।

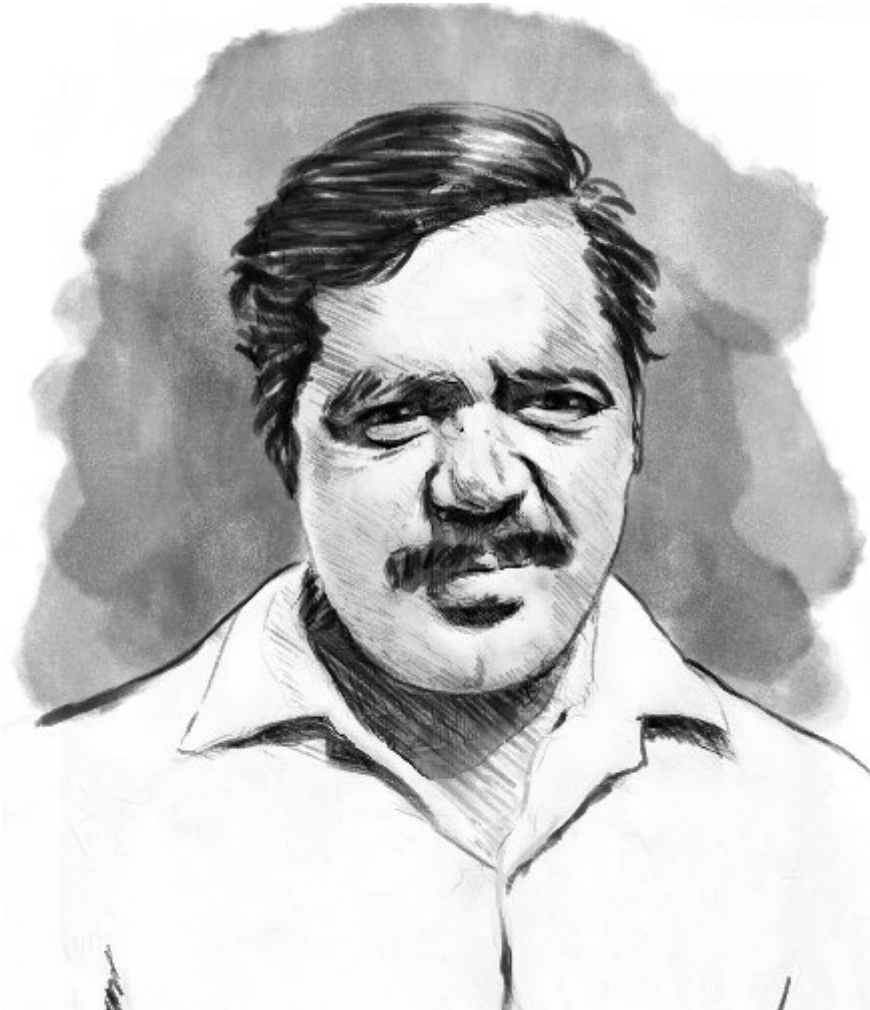

'South Asian Coalition on Child Servitude (SACCS)' formed, a network of more than **750 civil society organisations** who worked to end forced labour in South Asia.

बाल दासता पर दक्षिण एशियाई गठबंधन (एसएसीसीएस) का गठन हुआ। यह **750 से अधिक नागरिक समाज संगठनों** का एक नेटवर्क था, जिन्होंने दक्षिण एशिया में जबरन श्रम को समाप्त करने के लिए काम किया।

Rescued child labourers led and participated in the **First Regional Conference on Child Labour**.

छुड़ाए गए बाल श्रमिकों ने **बाल श्रम पर पहले क्षेत्रीय सम्मेलन** का नेतृत्व किया।

Bachpan Bachao Andolan began its fight against child labor in the carpet industry in India whereby public awareness campaigns were started in Mirzapur, Bhadohi, Banaras and Allahabad.

बचपन बचाओ आंदोलन ने भारत के कालीन उद्योग में बाल श्रम के खिलाफ लड़ाई शुरू की जिसके तहत मिर्ज़ापुर, भदोही, बनारस और इलाहाबाद में लोक जागरूकता अभियान की शुरुआत हुई।

Mr. Kailash Satyarthi launched the first consumer awareness campaign in Germany on the exploitation of child labor in the carpet industry.

श्री कैलाश सत्यार्थी ने कालीन उद्योग में बच्चों के शोषण पर पहले उपभोक्ता जागरूकता अभियान की शुरुआत जर्मनी में की।

1991

Establishment of **India's first short-stay rehabilitation center** for rescued bonded and child laborers. – Yes! Our **Mukti Ashram** in Delhi.

भारत मे **पहला मुक्त बंधुआ और बाल मजदूरों के पुनर्वास केंद्र की स्थापना मुक्ति आश्रम,** के रूप मे हुई ।

Launch of a **Nationwide 'Anti-Firecracker campaign'** in which 10,000 schools and 5 million children participated.

राष्ट्रव्यापी 'आतिशबाज़ी बहिष्कार अभियान' की शुरुआत हुई जिसे 10,000 स्कूलों और 50 लाख बच्चों के बीच मे चलाया गया ।

'South Asian Regional Meet' organized in Pakistan and Nepal to deliberate on the issue of Child Labor in the carpet industry.

कालीन उद्योग में बाल श्रम के मुद्दे पर विचार-विमर्श करने के लिए पाकिस्तान और नेपाल में **'दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय बैठक'** का आयोजन किया गया।

The first of its kind – **'Parliament of Religious leaders'** was organized in which prominent leaders from various faith participated.

भारत की पहली बाल मजदूरी के खिलाफ **अंतर धार्मिक सम्मेलन** आयोजित हुआ जिमसे सभी धर्म प्रमुखों ने हिस्सा लिया ।

1993

Shri Kailash Satyarthi undertook the first of its kind march against child labor in India from Nagar Untari (then Bihar) to Delhi. The march was 2000 km long and aimed at increasing public awareness on the issue of child labour.

श्री कैलाश सत्यार्थी ने भारत में **बाल मजदूरी के खिलाफ अपनी तरह का पहला मार्च नगर उंटारी (निवर्तमान बिहार) से दिल्ली तक** निकाला इस मार्च ने 2000 किमी का रास्ता तय किया l इस मार्च का उद्देश्य बाल श्रम के मुद्दे पर लोक जागरूकता बढ़ाना था।

Awareness campaigns were launched in Europe and United States of America against the use of child labor in carpet industry.

यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका में, बाल मजदूरों द्वारा बनाये गए कालीनों के उपयोग के खिलाफ जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया|

1994

Bachpan Bachao Andolan organized the **'Bharat Yatra'** - a 5,000 Kms long march against child labor. The march started from Kanyakumari and culminated in Delhi.

बचपन बचाओ आंदोलन ने **बाल श्रम विरोधी 'भारत यात्रा'** का आयोजन किया। यह यात्रा **कन्याकुमारी से शुरू होकर 5,000 किलोमीटर की दूरी तय कर दिल्ली पहुंची**।

This was the year when **'Rugmark'** was introduced, which was the first of its kind certification and social labeling mechanism for child labor free carpets in South Asia. Today Rugmark is known as Goodweave International. The initiative was recognized and replicated in many countries as an ethical trade practice and a new form of corporate social responsibility.

बालमजदूरी रहित एक ऐसे लबेल की शुरुआत की गई जिसे **'रगमार्क'** के रूप मे जाना गया जो आज Goodweave International है। रगमार्क दक्षिण एशियाई देशों मे अपने नैतिकता व्यापार और एक नए तरह की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी का पहला प्रयोग था जिसे कई देशों ने अपनाया।

“South Asian March against Child Labor and Trafficking” launched from Kolkata to Kathmandu. This was the first march on the issue of cross border trafficking.

कलकत्ता से काठमांडू तक **“बाल श्रम और दुर्व्यापार के खिलाफ दक्षिण एशियाई मार्च”** का शुभारम्भ किया गया| सीमा पार दुर्व्यापार के मुद्दे पर यह पहला मार्च था|

Ms. Asmita Satyarthi, daughter of Mr. Kailash Satyarthi at the age of 10 spoke at the Canadian National Labor Congress in Vancouver, Canada; she represented the voices of Indian Children at the forum. Her speech became the foundation for a long-term rehabilitation center in India, that was later established as Bal Ashram.

श्री कैलाश सत्यार्थी की बेटी **सुश्री अस्मिता सत्यार्थी, 10 साल की उम्र में कनाडा नेशनल लेबर कांग्रेस वैंकूवर** में बोलीं; उन्होंने मंच पर भारतीय बच्चों का प्रतिनिधित्व किया। उनका भाषण भारत में दीर्घकालिक पुनर्वास केंद्र की नींव बन गया, जिसे बाद में बाल आश्रम के रूप में स्थापित किया गया।

“Fair play” campaign to raise awareness about the exploitation of child labor in the sporting goods industry was launched in Jalandhar and Meerut.

जालंधर और मेरठ में खेल के सामानों के निर्माण उद्योग में **बाल श्रम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए “फेयरप्ले” अभियान का शुभारंभ** किया गया।

Launch of a Pledge Campaign during Uttar Pradesh Vidhan Sabha elections with the clarion call **‘Choose the one who saves the childhood.’** In this campaign, 2000 candidates signed the pledge for the elimination of child labor.

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान प्रतिज्ञा अभियान का शुभारंभ किया गया, अभियान का नारा था **‘चुनें उसको, जो बचपन बचाए’**। इस अभियान में, 2000 उम्मीदवारों ने बाल श्रम के उन्मूलन के लिए शपथ-पत्र पर हस्ताक्षर किए।

In **June 1996, Mr. Kailash Satyarthi conceptualized the idea of a Global March against Child Labor** in the iconic **‘Gol Kutiya’ of Mukti Ashram**.

जून 1996 में, श्री कैलाश सत्यार्थी ने मुक्ति आश्रम की प्रतिष्ठित 'गोल कुटिया' में बाल श्रम के खिलाफ वैश्विक अभियान के विचार की शुरुआत की।

Launch of **“Mukti Caravan”** at Rajghat, Delhi a mobile grassroots campaign against trafficking to demand an international law against child labor. After launch, the caravan began its journey in the trafficking prone source areas of Bihar.

"मुक्ति कारवां" का शुभारंभ राजघाट, दिल्ली से किया गया| दुर्व्यापार के खिलाफ एक गतिशील सांस्कृतिक समूह, जिसने साधारण जनसमुदाय को जागरूक करने के लिए अभियान आयोजित कर, बाल श्रम के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय कानून की मांग की| लॉन्च के बाद, मुक्ति कारवां ने अपनी यात्रा बिहार के दुर्व्यापार प्रवृत्त स्रोत क्षेत्रों मे आरंभ की।

The first-ever National Bal Sansad (Children’s Parliament) and Bal Adalat (Children’s Court), Bal Dhamaal were organized in Delhi with the participation of 20,000 people including children, parents and associates.

पहली बार राष्ट्रीय बाल संसद, बाल अदालत और बाल धमाल का आयोजन जिसमें 20,000 लोगों ने अपनी भागीदारी दी| इसमें बच्चे, माता-पिता और सहयोगी शामिल थे।

80,000 km, 103 countries, and 7.2 million children, women, and men as participants! Yes! This was a year of historic Global March Against Child labor. With the demand to put an international ban on worst forms of child labor, the march began on 17th January 1998 and culminated at ILO office, Geneva on 1st June 1998, thereafter 12th June was declared as “World Day against Child Labor” by ILO.

80,000 किलोमीटर , 103 देशों, और 7.2 मिलियन बच्चे, महिलाएं और पुरुष प्रतिभागियों के साथ ! हाँ! यह ऐतिहासिक ‘ग्लोबल मार्च अगेंस्ट चाइल्ड लेबर’ का साल था। बाल श्रम के सबसे बुरे रूपों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध लगाने की मांग के साथ 17 जनवरी 1998 को इस यात्रा का आरंभ हुआ और 1 जून 1998 को ILO कार्यालय, जिनेवा में समापन हुआ l 12 जून को ILO द्वारा "बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस" घोषित किया गया।

This year also saw establishment of a long-term rehabilitation center for rescued boys in Viratnagar, Rajasthan. Yes! Our **Bal Ashram :)**

इस साल विराटनगर, राजस्थान में मुक्त बाल मजदूर बच्चों के लिए एक दीर्घकालिक पुनर्वास केंद्र की स्थापना **बाल आश्रम** के रूप में की गई।

1999

Formation of a worldwide **'Global Campaign for Education'**. This Campaign was an international coalition involving Global March against Child Labor and other national and international agencies. Mr. Kailash Satyarthi unanimously became the Chairperson of the Campaign.

'शिक्षा के लिए वैश्विक अभियान' का गठन। यह अभियान एक अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन था, जिसमें बाल श्रम विरोधी विश्व यात्रा (ग्लोबल मार्च अगेंस्ट चाइल्ड लेबर) और अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां शामिल थीं| श्री कैलाश सत्यार्थी सर्वसम्मति से गठबंधन के अध्यक्ष बने।

Campaign launched against the employment of child labor in households, which resulted in ban of employment of children by Government employees in their houses.

घरों में होंने वाले बाल मज़दूरी के खिलाफ अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी कर्मचारियों द्वारा अपने घरों में बच्चों को घरेलू बाल श्रमिक रखने पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

ILO adopted Convention 182 on worst forms of child labor – a direct impact of the Global March against Child Labor undertaken in 1998

अंतरराष्ट्रीय श्रमिक संगठन (आई०एल०ओ०) कन्वेंशन 182 को बाल श्रम के सबसे ख़राब रूप को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा अपनाया गया| यह 1998 में बाल श्रम विरोधी विश्व यात्रा (ग्लोबल मार्च अगेंस्ट चाइल्ड लेबर) का सीधा असर था|

Mr. Kailash Satyarthi awarded 'Friedrich Ebert Stiftung Award. (Germany)

श्री कैलाश सत्यार्थी को जर्मनी के फ्रेडरिक एबर्ट इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स अवार्ड से सम्मानित किया गया।

Mr. Kailash Satyarthi participated in the **Dakar Conference on Education** and on his recommendation; a high-level group was formed with UNESCO, World Bank, IMF, and UNICEF

श्री कैलाश सत्यार्थी ने शिक्षा और उसके प्रसार के लिए **डकार सम्मेलन में भाग लिया** और उनकी सिफारिश पर यूनेस्को, विश्व बैंक, आईएमएफ और यूनिसेफ के साथ एक उच्च-स्तरीय समूह का गठन किया गया।

Launch of a worldwide Global Action Week on Education and Formation of **'Parliamentary Forum on Education'** to advocate for free and compulsory education for children as a Fundamental Right in India.

भारत में मौलिक अधिकार के रूप में **बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की वकालत** करने के लिए **शिक्षा पर विश्वव्यापी वैश्विक कार्यवाही सप्ताह की शुरुआत** तथा सांसदों के **संसदीय मंच** का गठन।

Launch of **'Knock the Door Campaign'** led by child leaders wherein children knocked on the door of Parliament members at 8 A.M. and handed them an empty slate as a symbol of widespread illiteracy. This led to more than 200 interventions by the members of Parliament in Lok Sabha and Rajya Sabha within a week for the first time in the history of the Indian Parliament. This resulted in a special debate on education.

बीबीए के बाल नेताओं के नेतृत्व में **"नॉक द डोर कैंपेन'** का शुभारंभ हुआ, जिसमें बच्चों ने संसद सदस्यों का दरवाजा सुबह 8 बजे खटखटाया और निरक्षरता के व्यापक प्रसार के प्रतीक के रूप में उन्हें एक खाली स्लेट दी। इसने भारतीय संसद के इतिहास में पहली बार एक सप्ताह के भीतर लोकसभा और राज्यसभा में संसद सदस्यों द्वारा 200 से अधिक हस्तक्षेप किए। इससे शिक्षा पर विशेष बहस हुई।

Mr. Kailash Satyarthi along with Kalu Kumar met Mr. Bill Clinton, then President of the US. Kalu challenged Mr. President asking 'What he and his government were doing for the children like him?' he continued, "You do not have to be the President to do something for children." As a result, the budget of the US Department of Labor and Policy against Child Labor was increased many folds.

श्री कैलाश सत्यार्थी के साथ कालूकुमार ने अमरीकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन से मुलाकात कर चुनौती भरे स्वर में पूछा कि राष्ट्रपति और उनकी सरकार बाल मजदूर बच्चों के लिए क्या कर रही है? साथ मे यह भी कह दिया की ," आपको बाल मजदूरी पर कुछ करने के लिए, राष्ट्रपति होना ही जरूरी नहीं है। परिणामस्वरूप, बाल मजदूरी के खिलाफ अमेरिकी श्रम और नीति विभाग का बजट कई गुना बढ़ गया था।

“Knock the Door Campaign” culminated into BlackBoard March held at Delhi’s Jantar Mantar where a dozen Members of Parliament joined to express their solidarity towards the free and compulsory education as a Fundamental Right.

दिल्ली के जंतर मंतर पर आयोजित ब्लैक बोर्ड मार्च में **"नॉक द डोर अभियान"** का समापन हुआ| इस अभियान में एक दर्जन संसद सदस्य एक मौलिक अधिकार के रूप में मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करने के लिए शामिल हुए।

Launch of a nation-wide **‘Shiksha Yatra’ (Education March)** demanding free and compulsory education to be made a Fundamental Right in India.

भारत में नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाने की मांग करते हुए एक राष्ट्रव्यापी ‘शिक्षा यात्रा’ का शुभारंभ हुआ।

Launch of the new child-centric community development model in rural Rajasthan. Yes! our **‘Bal Mitra Gram’ (BMG)**. The first Bal Mitra Gram was formed in Papri village of Rajasthan.

ग्रामीण राजस्थान में नए बाल केंद्रित सामुदायिक विकास मॉडल का शुभारंभ हुआ, जी हाँ हमारा **'बाल मित्र ग्राम'**। पहला बाल मित्र ग्राम राजस्थान के पापरी गाँव में बनाया गया था।

Three Big Campaigns were launched in 2002
2002 **में तीन बड़े अभियान शुरू किए गए** :

World Cup Campaign to raise voice against the use of child labor in the football manufacturing industry.

फुटबॉल निर्माण उद्योग में बाल मजदूर के उपयोग के खिलाफ आवाज उठाने के लिए 'विश्व कप अभियान'

Campaign to increase the budgetary allocation for the education of children.

बच्चों की शिक्षा के लिए बजटीय आवंटन बढ़ाने का अभियान

Campaign to ban child trafficking and employment of child labor in circuses in India.

भारत में बाल दूरव्यापार और बाल मजदूरी पर प्रतिबंध लगाने का अभियान

Mr. Kailash Satyarthi awarded **'Wellenberg Medal by the University of Michigan.'**

श्री कैलाश सत्यार्थी को मिशिगन विश्वविद्यालय द्वारा '**वेलेंबर्ग मेडल**' से सम्मानित किया।

2003

An **MoU** was signed between BBA and Indian Circus Industry **to stop employment and exploitation of children in the circus.**

सर्कस में बाल मजदूरी और शोषण को रोकने के लिए बीबीए और भारतीय सर्कस उद्योग के बीच एक **समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर** किए गए।

Formation of the first-ever **National Children's Council (Bal Maha Panchayat)** in Bal Ashram, Rajasthan.

बाल आश्रम, राजस्थान में पहली बार **राष्ट्रिय बाल महापंचायत का गठन** हुआ ।

Mr. Kailash Satyarthi with some activist brutally attacked during a raid in Gonda district of Uttar Pradesh while rescuing trafficked Nepalese girls from a circus.

श्री कैलाश सत्यार्थी के साथ कुछ कार्यकर्ताओं पर गोंडा जिला, उत्तर प्रदेश में छापेमार कार्यवाही के दौरान बड़ी बेरहमी और क्रूरता से हमला किया गया, जब वे एक सर्कस से नेपाली लड़कियों को छुड़ा रहे थे, जिनका दुर्व्यापार हुआ था।

Organized the first **Children's World Congress** on child labor in Florence, Italy.

फ्लोरेंस, इटली में बाल मजदूरी पर पहली बाल **'विश्व कांग्रेस'** का आयोजन हुआ ।

Second Children's World Congress on child labor and education hosted in New Delhi, India.

बाल मजदूरी और शिक्षा पर **दूसरी 'बच्चों की विश्व कांग्रेस'** का आयोजन नई दिल्ली मे हुआ ।

Bachpan Bachao Andolan conducted **first survey on child labor and trafficking in the garment industry**.

कपड़ा उद्योग में होने वाली बाल मजदूरी और दूरव्यापार पर बचपन बचाओ आंदोलन ने **पहला सर्वेक्षण** किया ।

After Rajasthan, **The Bal Mitra Gram (BMG)** was introduced in Meerut, Uttar Pradesh, and Koderma, Jharkhand.

राजस्थान के बाद, **बाल मित्र ग्राम (बीएमजी)** का विस्तार उत्तर प्रदेश (मेरठ) और झारखंड (कोडेरमा) में हुआ ।

Bachpan Bachao Andolan's sustained campaign and advocacy led to banning of domestic child labor on 10th October 2006 by the Central Government.
(Ref- Ins. Sr. 14 & 15 in Part A by Notification No. S.O. 1742 (E) dated 10 October 2006 published in the Gazette of India.)

बीबीए के निरंतर अभियान और वकालत के कारण केंद्र सरकार ने 10 अक्टूबर 2006 को घरेलू बाल मजदूरी पर प्रतिबंध लगा दिया ।

(रेफ- इं। अधिसूचना संख्या एस.ओ द्वारा भाग ए में 14 और 15। 1742 (ई) दिनांक 10 अक्टूबर 2006 भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ।)

On 10th November 2006, the President of India Shri. A.P.J. Abdul Kalam administered oath against child labor to Legal and Judicial fraternity on Bachpan Bachao Andolan's Silver Jubilee function at India Gate.

भारत के राष्ट्रपति श्री ए पी जे अब्दुल कलाम ने 10 नवंबर 2006 को इंडिया गेट पर बचपन बचाओ आंदोलन की रजत जयंती समारोह में कानूनी और न्यायिक बिरादरी को घरेलू बाल मजदूरी के खिलाफ शपथ दिलाई ।

Mr. Kailash Satyarthi conferred with 'Freedom Award' by America's Freedom Foundation at Provo, Utah, USA.

श्री कैलाश सत्यार्थी को प्रोवो, यूटा में अमेरिका के फ्रीडम फाउंडेशन द्वारा 'स्वतंत्रता पुरस्कार' से सम्मानित किया।

Launched the **second South Asian March from Kolkata-Kathmandu-Delhi against child trafficking**. The march started on 25 Feb 2007 at Kolkata and culminated on 22 March 2007 in Delhi- a 5000 km long march joined by 1 million people.

बाल दुर्व्यापार के खिलाफ कोलकाता-काठमांडू-दिल्ली से दूसरा दक्षिण एशियाई अभियान शुरू किया गया। अभियान 25 फरवरी 2007 को कोलकाता से शुरू हुआ और 22 मार्च 2007 को दिल्ली में समाप्त हुआ - 5000 किलोमीटर की लंबी यात्रा में 10 लाख लोग शामिल हुये|

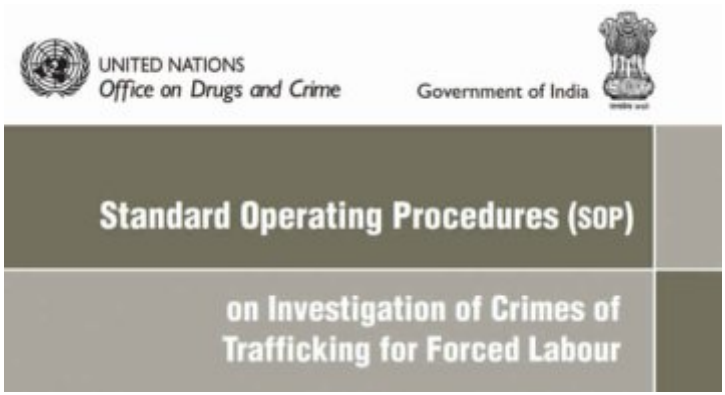

Bachpan Bachao Andolan assisted Government of India in the preparation of **Standard Operating Procedure for Investigation of trafficking for forced labour**.

बचपन बचाओ आंदोलन ने **'जबरन श्रम के लिए दुर्व्यापार' की जांच पर मानक परिचालन प्रक्रिया (एस०ओ०पी०) को तैयार करने में भारत सरकार की सहायता** की|

2007

Mr. Satyarthi was recognized in the list of "Heroes Acting to end Modern Day Slavery" by the US State Department

श्री सत्यार्थी को अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा "हीरोज एक्टिंग टू एंड मॉडर्न डे स्लेवरी" की सूची में मान्यता दी गई ।

Exposed child slavery in the world's largest garment company GAP Inc. leading to enhanced awareness about the ethical trade and supply chain management in the garment Industry.

दुनिया की सबसे बड़ी परिधान कंपनी जी.ए.पी. (GAP) इंक में बाल दासता का उजागर हुआ, जिसके परिणामस्वरूप परिधान उद्योग में नैतिक व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ी|

Mr. Satyarthi conferred **'Gold Medal' of the 'Italian Senate'**

श्री सत्यार्थी को **'इतालवी सीनेट' के 'स्वर्ण पदक'** से सम्मानित किया गया ।

The first of its kind research study initiated to collect data on the causes, nature and extent of missing children in India.

भारत में लापता बच्चों के कारणों, प्रकृति और सीमा पर डेटा एकत्र करने के लिए अपनी तरह का पहला शोध अध्ययन शुरू किया गया

Organized India Action Week against child labor from various parts of India. Five hundred child laborers rescued in one week as part of this initiative.

भारत के विभिन्न हिस्सों से बाल मजदूरी के खिलाफ भारत एक्शन वीक का आयोजन किया। इस पहल के तहत एक सप्ताह में पांच सौ बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया ।

Mr. Satyarthi conferred with ‘Alfonso Comin International Award’ (Spain).

श्री सत्यार्थी को 'अल्फोंसो कोमिन इंटरनेशनल अवार्ड' (स्पेन) से सम्मानित किया।

Landmark Judgement by Delhi High Court in 'Save the Childhood Vs Union of India' laid down specific roles and responsibilities of Government departments for comprehensive legal action against child labor.

दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा बचपन बचाओ बनाम भारत संघ 'का ऐतिहासिक निर्णय, बाल मजदूरी के खिलाफ व्यापक कानूनी कार्रवाई के लिए सरकारी विभागों की विशिष्ट भूमिकाओं और जिम्मेदारि को तय किया l

Nepal March for Education started from 08 September 2008 from Kakarbhitta a march demanding enforcement of education as a fundamental right in Nepal's constitution. The march culminated on 18th September 2009 in Kathmandu.

नेपाली संविधान में शिक्षा को मौलिक अधिकार के रूप में लागू करने की मांग लिए नेपाल मार्च 08 सितंबर 2008 काकरभिट्टा से शुरू हुआ, जिसे 18 सितंबर 2009 को काठमांडू में समापन किया गया l

Supreme Court formed the All India Legal Aid cell on Child Rights under the aegis of National Legal Services Authority in India (NALSA) in collaboration with Bachpan Bachao Andolan.

सुप्रीम कोर्ट ने बच्चन बचाओ आंदोलन के सहयोग से भारत में राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (NALSA) के तत्वावधान में बाल अधिकारों पर अखिल भारतीय कानूनी सहायता प्रकोष्ठ का गठन किया

Mr. Satyarthi conferred **Defenders of Democracy Award (US)**.

श्री सत्यार्थी को **डिफेंडर्स ऑफ़ डेमोक्रेसी अवार्ड (यूएस)** से सम्मानित किया।

FIFA Football World cup Campaign – ‘One Goal’ was launched as Global Action Week by Global Campaign for Education.

फीफा फुटबॉल विश्व कप अभियान – ‘वन गोल’ को ग्लोबल कैंपेन फॉर एजुकेशन द्वारा ग्लोबल एक्शन वीक के रूप में लॉन्च किया गया

IN THE HIGH COURT OF DELHI

WP (Crl.) No. 82 of 2009, WP (Crl.) No. 619 of 2002 and WP (Crl.) No. 879 of 2007

Decided On: 24.12.2010

Appellants: **Bachpan Bachao and Ors.**
Vs.
Respondent: **Union of India (UOI) and Ors.**
AND
Appellants: **Shramjeevi Mahila Samiti**
Vs.
Respondent: **State and Ors.**
AND
Appellants: **K.P.**
Vs.
Respondent: **State**

On **Bachpan Bachao Andolan’s petition, Delhi High Court gave a landmark direction on the trafficking of girls for domestic labor and placement agency**.

बचपन बचाओ आंदोलन की याचिका पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने घरेलू श्रम और प्लेसमेंट एजेंसी मे लड़कियों के दूरव्यापार पर एक ऐतिहासिक निर्देश दिया ।

125 public hearing were organized in 9 states on the enforcement of right to education, and to bring out the gaps in the implementation of RTE Act.

शिक्षा के अधिकार के प्रवर्तन पर 9 राज्यों में **125 जन सुनवाई आयोजित** की गई और आरटीई अधिनियम के कार्यान्वय में अंतराल को सामने लाया गया।

On 18th October 2011, **BBA Activist Kalu Kumar was martyred**.

18 अक्टूबर 2011 को **बीबीए एक्टिविस्ट कालू कुमार शहीद** हो गए ।

A **landmark Judgment prohibiting the employment of children in circuses of India was delivered** on 18th April 2011 in the writ petition (C) No. 56 of 2006, Bachpan Bachao Andolan Vs Union of India.

भारतीय सर्कस में बाल मजदूरी पर प्रतिबंध लगाने वाला ऐतिहासिक निर्णय 18 अप्रैल 2011 को रिट याचिका (C) संख्या 56, 2006 में बच्चन बचाओ आंदोलन बनाम भारत संघ में दिया गया l

On 08th December 2011, Bachpan Bachao Andolan launched first of its kind research report on **“Missing Children of India”**.

08 दिसंबर 2011 को, बचपन बचाओ आंदोलन ने **"मिसिंग चिल्ड्रन ऑफ इंडिया"** पर अपनी तरह की पहली शोध रिपोर्ट लॉन्च की।

Bachpan Bachao Andolan was called by Supreme Court to defend the constitutional validity of Right of Children to free and compulsory education. On 12th April 2012 Supreme Court upheld the constitutional validity of the Right of Children to Free and Compulsory Education (RTE) Act, 2009

बचपन बचाओ आंदोलन को उच्चतम न्यायालय ने बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा (आरटीई) अधिनियम की संवैधानिक वैधता के बचाव पक्ष को रखने के लिए बुलाया गया
12 अप्रैल 2012 को सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों के मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा ।

On 30th July 2012, the **Global March organized high-level International Conference on Child Labour in Agriculture at Washington DC** - first-ever global conference on this issue.

30 जुलाई 2012 को **ग्लोबल मार्च ने वाशिंगटन डीसी में खेती किसानी में बाल मजदूरी पर उच्च-स्तर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया** - इस मुद्दे पर यह पहला वैश्विक सम्मेलन था ।

Organized a march against child labor and trafficking in the northeast from Guwahati to Dhubri in partnership with NALSA. **Hon'ble Chief Justice of India Shri Altamas Kabir flagged off the march on 08th December 2012**.

गुवाहाटी से धुबरी तक उत्तर पूर्व भारत में बाल मजदूरी और दूरव्यापार के खिलाफ मार्च का आयोजन NALSA के साथ किया गया। **08 दिसम्बर 2012 को भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश श्री अलतमस कबीर ने मार्च को हरी झंडी दिखाई।**

2013

Razia Sultan, a rescued child labor from a football-weaving unit in Meerut, Uttar Pradesh felicitated with the United Nations' Special Envoy for 'Global Education's Youth Courage Award for Education' on 12th July 2013. This award was the recognition of her efforts to ensure education for children in villages of Meerut.

रजिया सुल्तान, उत्तर प्रदेश के मेरठ में एक फुटबॉल बुनाई उद्योग से बचाई गई थी l 12 जुलाई 2013 को शिक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत 'ग्लोबल एजुकेशन के युवा साहस पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मेरठ के कई गाँवों के बच्चों के लिए शिक्षा सुनिश्चित करने के उनके प्रयासों की मान्यता थी।

On 10th May 2013, **Hon'ble Supreme Court of India gave a landmark judgment on missing children in a PIL filed by Bachpan Bachao Andolan (WP (C) No 75 of 2012 Bachpan Bachao Andolan Vs. Union of India and Ors).** The Court directed that in case of every missing child reported; there will be an initial presumption of either abduction or trafficking, unless, in the investigation, the same is proved otherwise.

10 मई 2013 को, **भारत के माननीय उच्च न्यायालय ने बचपन बचाओ आंदोलन WP (C) No 75 of 2012 बचपन बचाओ आंदोलन बनाम भारत संघ और Ors) द्वारा दायर जनहित याचिका में गुमशुदा बच्चों पर निर्णय दिया**। कोर्ट ने निर्देश दिया कि प्रत्येक गुमशुदा बच्चे के मामले में; जांच में, अपहरण या दूरव्यापार का प्रारंभिक अनुमान माना जाएगा, जब तक की ऐसा ना होना साबित नहीं होता ।

Bachpan Bachao Andolan gave suggestions to the **Justice Verma Committee on defining human trafficking, which resulted in the inclusion of section 370 and 370A to address trafficking of persons in the Criminal Law Amendment Act, 2013**.

बचपन बचाओ आंदोलन ने **मानव तस्करी को परिभाषित करने के बारे में न्यायमूर्ति वर्मा समिति को सुझाव दिए, जिसके परिणामस्वरूप आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम, 2013 में व्यक्तियों के दूरव्यापार को संबोधित करने के लिए धारा 370 और 370A को शामिल किया गया**।

2014

10th October 2014 became a historic date for India and the World when Nobel Peace Prize was announced to Mr. Kailash Satyarthi for his struggle against the suppression of children and young people and for the right of all children to education. The award was conferred on 10th December 2014 in a ceremony in Oslo, Norway.

10 अक्टूबर 2014 भारत और विश्व के इतिहास मे अमर हो गया जब श्री कैलाश सत्यार्थी को जीवन भर बच्चों और युवाओं के शोषण के खिलाफ और बच्चों की शिक्षा के अधिकार की उनकी लंबी लड़ाई के लिए नोबल शांति पुरुसकार से सम्मानित किया गया l यह पुरस्कार 10 दिसंबर 2014 को ओस्लो, नॉर्वे में समारोह में प्रदान किया गया था।

The **first-ever anthem on child labor written by Mr. Kailash Satyarthi was launched by Union Minister Narendra Singh Tomar on World Day against Child Labor, 12th June**. Mr. Tomar also donated his one-month salary to Bachpan Bachao Andolan.

श्री कैलाश सत्यार्थी द्वारा लिखित बाल मजदूरी पर पहला गाना केंद्रीय श्रम मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने 12 जून को बाल मजदूरी के खिलाफ विश्व दिवस पर लॉन्च किया। श्री तोमर ने बचपन बचाओ आंदोलन को अपना एक महीने का वेतन भी दान किया।

Executive order issued by the Lt. Governor of Delhi for the regulation of placement agencies.

प्लेसमेंट एजेंसियों के नियमन के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा कार्यकारी आदेश जारी किया गया।

The **first global meeting of 'Parliamentarians without Borders for Children's Rights' (PWB)** was held in Kathmandu, Nepal.

काठमांडू, नेपाल में बच्चों के अधिकारों पर पार्लिमेंटरियन्स विदाउट बार्डर (कई देशों के सांसदों) ने पहली वैश्विक बैठक मे हिस्सा लिया ।

BBA's **first online social media campaign (Full Stop) against child sexual abuse was launched**.

बाल यौन शोषण के खिलाफ बचपन बचाओ आंदोलन का पहला ऑनलाइन सोशल मीडिया अभियान (पूर्ण विराम) शुरू किया गया था।

Assisted Government of India in drafting of the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015

बचपन बचाओ आंदोलन ने किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के प्रारूपण में भारत सरकार को सहायता की ।

'Slavery' included in the 2015 United Nations Sustainable Development Goals after a successful International campaign led by Global March against child labor and supported by BBA in India.

2015 के संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों में 'दासता' को शामिल किया गया। यह ग्लोबल मार्च के सफल अन्तराष्ट्रिय अभियान का परिणाम था इस अभियान को भारत में बचपन बचाओ आंदोलन ने चलाया ।

Shri Kailash Satyarthi Launched the Laureates and Leaders for Children, the first Summit was hosted by the President of India Mr. Pranab Mukherjee at Rashtrapati Bhawan, Delhi.

श्री कैलाश सत्यार्थी ने लॉरेट्स एंड लीडर्स फ़ॉर चिल्ड्रन समिट का शुभारंभ किया, जिसकी मेजबानी भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने राष्ट्रपति भवन, दिल्ली में की।

The President of India Shri Pranab Mukherjee flagged off the 100 million for 100 million campaign.

भारत के राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 100 मिलियन अभियान के लिए 100 मिलियन को हरी झंडी दिखाई।

The **second global meeting of the Parliamentarians without Borders for Children's Rights (PWB) was held in The Hague, Netherlands**.

बच्चों के अधिकारों के लिए सीमाओं के बिना सांसदों, पार्लिमेंटरियन्स विदाउट बार्डर की दूसरी वैश्विक बैठक नीदरलैंड के हेग में आयोजित की गई।

Child Labor (Prohibition and Regulation) Amendment Act, 2015 passed in the Parliament that imposed a blanket ban on child labor below 14 years and in hazardous occupations till 18 years.

बाल श्रम (निषेध और विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2015 संसद में पारित हुआ जिसने 14 साल से कम बच्चों की बाल मजदूरी पूरी तरह और 18 साल तक के बच्चों के लिए खतरनाक व्यवसायों में बाल मजदूरी पर प्रतिबंध लगाया।

Bachpan Bachao Andolan assisted the Central Government in drafting Juvenile Justice (Care and Protection of children) Model Rules, 2016.

बचपन बचाओ आंदोलन ने किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) मॉडल नियम, 2016 को तैयार करने में केंद्र सरकार की सहायता की।

Bharat Yatra took place in 2017 wherein over 8 lakh people marched **11,000 km across the country for 35 days demanding strict law against child sexual** abuse and trafficking. Bharat Yatra was joined by around 2,50,000 educational Institutions, 500 corporates, 60 faith leaders, 600 government bodies and 500 political leaders. **Yatra began on 11 September 2017 from Kanyakumari and culminated on 16 October 2017 at Rashtrapati Bhawan, New Delhi**.

भारत यात्रा 2017 में हुई, **जिसमें 8 लाख से अधिक लोगों ने बाल यौन शोषण और दूरव्यापार के खिलाफ सख्त कानून की मांग करते हुए 35 दिनों के लिए देश भर में 11,000 किलोमीटर की दूरी तय की**। भारत यात्रा में लगभग 2,50,000 शिक्षण संस्थान, 500 कॉरपोरेट, 60 विश्वास नेता, 600 सरकारी निकाय और 500 राजनीतिक नेता शामिल हुए। यात्रा 11 सितंबर 2017 को कन्याकुमारी से शुरू हुई और 16 अक्टूबर 2017 को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में समाप्त हुई।

Mr. Kailash Satyarthi delivered a keynote speech at the 4th Global Conference on Child Labour held in Buenos Aires, Argentina which saw the participation of over 3000 stakeholders from across the world.

श्री कैलाश सत्यार्थी ने ब्यूनस आयर्स, अरगेटिना में आयोजित चौथे वैश्विक सम्मेलन में अपना मुख्य भाषण दिया, जिसमें दुनिया भर से 3000 से अधिक हितधारकों की भागीदारी देखी गई।

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 444] नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 2, 2017/ ज्येष्ठ 12, 1939
No. 444] NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 2, 2017/ JYAISTHA 12, 1939

श्रम और रोजगार मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जून, 2017

Child labor (Prohibition and Regulation) Amendment Act, 2016 rules formulated and notified by the central Government. Bachpan Bachao Andolan assisted the government in drafting the rules.

बाल श्रम (निषेध और विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2016 नियम केंद्र सरकार द्वारा बनाए और अधिसूचित किए गए। बचपन बचाओ आंदोलन ने नियमों का मसौदा तैयार करने में सरकार की सहायता की।

Bachpan Bachao Andolan launched Access to Justice Program to focus on the strategic interventions, it ensures that institutions concerned with Child Protection and Welfare, prominently the Government and its agencies, are capable, accountable and convergent to protect victims of child abuse and exploitation.

बचपन बचाओ आंदोलन ने रणनीतिक हस्तक्षेपों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 'एक्सेस टू जस्टिस' प्रोग्राम शुरू किया, यह सुनिश्चित करता है कि बाल संरक्षण और कल्याण से संबंधित संस्थान, प्रमुख रूप से सरकार और उसकी एजेंसियां, बाल शोषण और शोषण के शिकार लोगों की सुरक्षा के लिए सक्षम, जवाबदेह और अभिसरण हैं।

The Price of Free, a documentary on the life and work of Mr. Kailash Satyarthi won the Sundance Grand Jury Prize, at Sundance Film Festival US and debuted on YouTube in November 2018.

श्री कैलाश सत्यार्थी के जीवन और कार्यों पर एक वृत्तचित्र **द प्राइस ऑफ फ्री** ने सनडांस फिल्म समारोह में सनडांस ग्रैंड ज्यूरी पुरस्कार जीता, और नवंबर 2018 में YouTube पर लॉंच हुई

The Second Laureates and Leaders' Summit was held in Jordan.

दूसरा लॉरेट्स एंड लीडर्स समिट जॉर्डन में आयोजित किया गया ।

The Global March against child labour and International Labor Organization celebrated **20th Anniversary of Global March against Child Labour** in a joint event during the International Labor Conference (ILC) at the Palais des Nations, Geneva.

ग्लोबल मार्च अगेंस्ट चाइल्ड लेबर और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने पैलेस देस, जेनेवा में अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन (ILC) के दौरान एक संयुक्त कार्यक्रम में **ग्लोबल मार्च अगेंस्ट चाइल्ड लेबर की 20 वीं वर्षगांठ** मनाई ।

Central Government worked with BBA to implement facial recognition technology, which helped in reuniting thousands of missing children.

कें्द्र सरकार ने बीबीए के साथ चेहरे की पहचान तकनीक को लागू करने के लिए काम किया, जिससे हजारों लापता बच्चों के पुनर्मिलन में मदद मिली।

On **April 21, the central government promulgated the Criminal Law (Amendment) Ordinance 2018**, which introduced capital punishment for rape of girls below 12 years of age.

21 अप्रैल को, केंद्र सरकार ने आपराधिक कानून (संशोधन) अध्यादेश 2018 को लागू किया, जिसमें 12 साल से कम उम्र की लड़कियों से बलात्कार के लिए मृत्युदंड की सजा दी गई थी।

Kailash Satyarthi Children's Foundation signed an MoU with Jharkhand Government to eliminate child labor in mica mines at an event organized in Koderma in October 2018.

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन्स फाउंडेशन ने अक्टूबर 2018 में कोडरमा में आयोजित एक कार्यक्रम में अभ्रक खदानों में बाल मजदूरी को खत्म करने के लिए झारखंड सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

2019

Payal Jangid from our Bal Mitra Gram Hinsla, Rajasthan became the first Indian to be conferred with the Goalkeepers Award by Bill and Melinda Gates Foundation.

हमारे बाल मित्र ग्राम हिंसला, राजस्थान से पायल जांगिड को बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा 'गोलकीपर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

2019

Thirteen-year-old **Champa Kumari won prestigious Young Social Changemaker Princess Diana Award** for fighting against child marriage and protecting the rights of children in mica-mining areas of Jharkhand.

तेरह वर्षीय **चम्पा कुमारी ने झारखंड के अभ्रक-खनन क्षेत्रों में बाल विवाह के खिलाफ अपने काम के लिए प्रतिष्ठित डायना पुरस्कार जीता।**

2019

Satyarthi Movement commemorated 5 years of Nobel Prize for Children at Indira Gandhi National Centre for Arts, to re-dedicate ourselves to work with conviction and resolve towards a child-friendly society, child-friendly India and a child friendly world.

सत्यार्थी आंदोलन ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में बच्चों के लिए नोबेल पुरस्कार की पाँचवी वर्षगांठ मनाई, जिसमे बच्चों के लिए काम के प्रति खुद को समर्पित कर बाल मित्र समाज, बाल मित्र भारत और बाल मित्र विश्व के लिए संकल्पबद्ध हुये।

Protection of Children from Sexual Offenses (Amendment) Act, 2019 passed by the Parliament with stringent punishment, the addition of new categories under aggravated offenses and inclusion of the definition of child pornography.

यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2019 संसद द्वारा कड़े दंड के साथ पारित किया गया, बढ़े हुए अपराधों के तहत नई श्रेणियों के अलावा और बाल पोर्नोग्राफ की परिभाषा को शामिल किया गया।

Supreme Court takes cognizance of high pendency in POCSO cases and on its direction; Government launched a "Scheme on Fast Track Special Courts for Expeditious Disposal of Cases of Rape and POCSO Act".

सुप्रीम कोर्ट POCSO मामलों में पेंडेंसी के दिशा निर्देश पर; सरकार ने बलात्कार और POCSO अधिनियम के मामलों के त्वरित निपटान के लिए फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालयों पर एक योजना शुरू की।